था कि हिन्दी में ट्रांसलेशन करते करते देर हो जाती, लेकिन जब गुजराती, लोकल भाषा वहां की है, अंग्रेजी और गुजराती में हो गया है तो ऐसा नहीं समझा गया कि जरूरी हैं-कि हिन्दी में झाना ही चाहिए। ... (ज्यवधान)।

श्री शंकर बयाल सिंह: संविधान का कसे श्राप उल्लंधन करेंगे? श्राप कहते हैं कि जरूरी नहीं समझा गया। श्राप कहिए कि हो रहा है, लाएंगे, लेकिन यह श्राप कैसे कह सकते हैं? संविधान का उल्लंधन कैसे करेंगे?

प्राध्यक्ष महोदय: भाजकल का जमाना है कि अगर आप सच बोलेंगे तो उस की इतनी कदर नहीं है। आप उसी तरह कह दीजिए कि हिन्दी में भी आ जायेगा।

भी भोला पास्वान शास्त्री: मैंने यह नहीं कहा कि हिन्दी में नहीं श्राना चाहिए ।

प्रध्यक्ष महोबय: ग्राप मच बोले, उमे वह पसद नहीं करते। ग्राप बोलिए कि ठीक है, हिन्दी में ग्रा जायगा।

श्री मोला परवान शास्त्री: मैंने कहा है कि हिन्दी में भ्राना चाहिए। जहां तक सिद्धान्त का सवाल है, मैं माननीय सदस्य से एग्री करता हूं।

SHRI SEZHIYAN (Kumbakonam): The hon. Minister said that he had received the notifications on the 29th July....

MR. SPEAKER: He has stated the factual position.

SHRI SEZHIYAN: Did they inquire from the officials of the Gujarat Government why they had delayed the sending of these till that date? Did hey get any clarification from them?

MR. SPEAKER: Let him not be so strict.

NOTIFICATION UNDER GUJARAT PRIVATE FORESTS (ACQUISITION) ACT

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI B. P. MAURYA): Sir, I to lay on the Table a copy of the Hindi version of the Gujarat Private (Acquisition) Rules. published in Notification No. GHKH-51; 74-PRF-1973-74-354-P in Gujarat Government Gazette dated the 4th April, 1974, under Sub-Section (1) of Section 22 of the Gujarat Private Forests (Acquisition) Act, 1972 with clause (c) (iii) of the Proclamation dated the 9th February, 1974 issued by the President in relation to the State of Gujarat [Placed in Lab-See No LT-8367/74]

श्री ज्योतिर्मय बसु: यह गलत काम किया है। वह आर्डर 9 फरवरी, 1974 का है श्रीर श्राज दो सितम्बर हो गया, करीब 7 महीने होने वाले है।

Why was he there sleeping over this

स्रध्यक्ष महोदय : 7 महीने में क्या हो सकता है ?

श्री ज्योतिर्मय बसु: 7 महीने मे बच्चा नहीं हो सकता है, यह तो मानूम है...

भ्रष्यक महोबय: एक साल तक हो जाता है। 7 महीने हुए है, पांच महीने भ्रीर रहते है एक साल पूरा होने मे।

श्री ज्योतिर्मय वसुः यह भ्राप कैसे कहते हैं ?

MR SPEAKER: I am not here only to say 'Yes' to whatever he likes. I have to give my suggestions also.

ANNUAL REPORTS AND AUDITED ACCOUNTS OF PUNJAB AGRO-INDUSTRIES CORPORATION LTD., CHANDIGARH, MYSORE STORE AGRO-INDUSTRIES CORPORATION LTD., BANGALORE AND HUMACHAL PRADESH AGRO-INDUSTRIES CORPORATION LTD., SIMLA, ETC.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): I beg to lay on the Table—

(1) A copy each of the following Reports (Mindi and English